



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रधानमंत्री से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 281] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1990/कार्तिक 23, 1912

NO. 281] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 1990/KARTIKA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे यह पृष्ठ अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(प्रायान् व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 88 प्राई टी सी (पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1990

विषय :- आयान-नियन्ति नीति अप्रैल, 1990—मार्च, 1993

फा.सं. 6/140/90-ईपी सी :-वाणिज्य मंत्रालय नीति सार्वजनिक सूचना सं. -1 प्राई टी सी (पी एन)/
90-93 विमोक्ष 30 मार्च, 1990 के अस्तर्वत प्रकाशित गणावंगोंगित आयान-नियन्ति नीति अप्रैल, 1990—मार्च
1993 की ओर घ्यान आकर्षित किया जाता है।

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART I—SEC. 1]

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएँगे :-

क्रम सं.	आधात्-नियाति नीति 1990-	सन्दर्भ	संशोधन
	93 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं		

1	2	3	4
1	308	परिशिष्ट-13-न उन मर्दों की भी भूची जिनके लिए को जोड़ा जाएगा :- डी है इ सी स्कीम के अन्वर्गम “!! निम्नलिखित-बी” प्रतिरूपि रामग्री के तिरुम्पुक निपटान की सुविधा अनुरूप नहीं होगी	इस क्रम संहार के बाद निम्नलिखित उम्र वर्गों की भी भूची जिनके लिए को जोड़ा जाएगा :- डी है इ सी स्कीम के अन्वर्गम “!! निम्नलिखित-बी” प्रतिरूपि रामग्री के तिरुम्पुक निपटान की सुविधा अनुरूप नहीं होगी

क्रम संख्या 13

3. आणिज्य मंद्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 2 आई टी भी (पी एन)/90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के प्रधीन प्रकाशित अंत्रिक, 1990-93 (खण्ड-1) के लिए यथासंघोषित प्रक्रिया पुस्तक की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

4. उक्त पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएँगे :-

क्रम सं.	प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं	सन्दर्भ	संशोधन
1	2	3	4

1	74	अध्याय-19 शुल्क छुट योजना पर- वर्ती लाइसेंस जारी करना पैरा 341	वर्तमान पैरा 341(1) और (2) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा : “341. द्वितीय धर्याका परवर्ती लाइसेंस को जारी करने के आवेदनों को तब तक स्वीकार किया जाना रहेगा जब तक कि आवेदक को ऐसे किसी विर्यात धाराका के संबंध में सुकरती धोखित न किया गया हो जिसके लिए यह पहले से अनन्यरूप हो।
---	----	-------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

5. उपर्युक्त संशोधन लोकहित में आरी किए गए हैं।

त्रिवेदी रुद्रा, मुख्य नियंत्रक, आधात्-नियाति

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE No. 88-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 14th November, 1990

Subject : Import & Export Policy for April, 1990—March, 1993

F.No. 6/140/90-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1990—March, 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of Import & Export Policy, 1990-93 (Volume-I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	308	Appendix 13-F List of items for which facility of free disposal of replenished materials will not be admissible under the DEEC Scheme. Sl. No. 13	After this Sl. No. the following shall be added: “14. Penicillin-G”.

3. Attention is also invited to the Hand Book of Procedures, 1990-93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

4. The following amendments shall be made in the said Hand Book at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of the Book of Procedures, 1990-93 (Vol. I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	74	Chapter-XIX Duty Exemption Scheme, Issue of subsequent licence Para 341	The existing Para 341(1) &(2) shall be substituted by the following:— “341. Request for issue of a second or subsequent licence will be entertained, as long as the applicant has not been declared a defaulter in respect of any export obligation already undertaken by him”.

The above amendments have been made in public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports